FY24 में रोज़गार दर में उल्लेखनीय वृद्धि

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय रिज़र्व बैंक (Reserve Bank of India - RBI) के आँकड़ों से भारत की रोज़गार दर में उल्लेखनीय वृद्धि का पता चला है, जो वित्त वर्ष 2023 में 3.2% से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 6% हो गई है, जो श्रम बाज़ार में सकारात्मक रुझान को दर्शाता है।

नोट:

मई 2024 में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) के नवीनतम त्रैमासिक बुलेटिन से पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में बेरोज़गारी दर (UR) में कमी आई है।

भारत में रोज़गार वृद्धि के बारे में RBI के आँकड़े क्या बताते हैं?

समग्र रोज़गार दर: RBI के इंडिया KLEMS [पूंजी (Capital-K), श्रम (Labour- L), ऊर्जा (Energy - E), सामग्री (Material - M)
और सेवा (Services S)] डेटाबेस से पता चला है कि वर्ष 2022-23 में देश में रोज़गार 57.75 करोड़ था, जबकि वर्ष 2021-22 में यह 56.56 करोड़ था।
डेटाबेस में 27 उद्योगों को शामिल किया गया है और व्यापक क्षेत्रीय स्तर तथा अखिल भारतीय स्तर पर अनुमान प्रदान किये गए हैं।
इसमें सकल मूल्य वर्द्धन, श्रम रोज़गार, पूंजी स्टॉक और ऊर्जा, सामग्री तथा सेवाओं जैसे इनपुट के उपाय शामिल हैं।
महिला बेरोज़गारी: महिला बेरोज़गारी दर में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई, जो जनवरी-मार्च 2023 में 9.2% से घटकर जनवरी-मार्च 2024 में
8.5% हो गई।
शहरी क्षेत्रों में महिला श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR) जनवरी-मार्च 2023 में 20.6% से बढ़कर जनवरी-मार्च 2024 में 23.4% हो गया, जो WPR में सामान्य वृद्धि का संकेत देता है।

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण त्रैमासिक बुलेटिन (जनवरी-मार्च 2024)

PLFS प्रमुख रोज़गार और बेरोज़गारी संकेतकों जैसेश्रम बल भागीदारी दर (LFPR), श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR), बेरोज़गारी दर (UR) आदि और गतिविधि स्थिति- 'सामान्य स्थिति' तथा 'वर्तमान साप्ताहिक स्थिति' का अनुमान देता है।
शहरी क्षेत्रों में बेरोज़गारी दर जनवरी-मार्च 2023 से जनवरी-मार्च 2024 के दौरान 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिये6.8% से घटकर 6.7% हो गई।
जनवरी-मार्च 2023 में महिला बेरोज़गारी दर 9.2% से घटकर जनवरी-मार्च 2024 में 8.5% हो गई।
शहरी क्षेत्रों में श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिये जनवरी-मार्च 2023 से जनवरी-मार्च 2024 के दौरान क्रमशः 48.5% से 50.2% तक की वृद्धि का रुझान देखा गया है।
शहरी क्षेत्रों में महिला श्रम बल भागीदारी दर जनवरी-मार्च 2023 से जनवरी-मार्च 2024 के दौरान 22.7% से बढ़कर 25.6% हो जाएगी, जो एलएफपीआर में समग्र बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाती है।
15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लियेश्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR) में जनवरी-मार्च 2023 में 45.2% से जनवरी-मार्च 2024 में 46.9% तक की वृद्धि की प्रवृत्ति।
जनवरी-मार्च 2023 से जनवरी-मार्च 2024 के दौरान शहरी क्षेत्रों में महिला श्रमिक जनसंख्या अनुपात 20.6% से बढ़कर 23.4% हो गया, जो WPR में समग्र वृद्धि की प्रवृत्ति को दर्शाता है।

नोट:

राष्ट्रीयनमूनासर्वेक्षणकार्यालय (National Sample Survey Office - NSSO) नेअप्रैल 2017 मेंशहरीक्षेत्रोंमेंरोज़गारऔर बेरोज़गारीके संकेतकों का अनुमानलगाने के लिये PLFS कीशुरुआतकीथी। इसका उद्देश्य सालानाग्रामीणऔरशहरीदोनों क्षेत्रों में
इन संकेतकों का अनुमान लगाना है।

संकेतक परिभाषा
श्रम शक्ति भागीदारी दर (LFPR) जनसंख्या में श्रम बल (अर्थात् काम करने वाले, काम की तलाश करने वाले या
काम के लिये उपलब्ध) में व्यक्तियों का प्रतिशत।
श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR) जनसंख्या में कार्यरत व्यक्तियों का प्रतिशत।
बेरोज़गारी दर (UR) श्रम बल में शामिल व्यक्तियों में से बेरोज़गार व्यक्तियों का प्रतिशत।
गतिविधि की स्थिति- Usual Status

गतिविधि स्थिति- सामान्य स्थिति

सर्वेक्षण की तिथि से पहले पिछले 365 दिनों के दौरान व्यक्ति द्वारा की गई
गतिविधियों के आधार पर निर्धारित किया जाता है।

गतिविधि की स्थिति- वर्तमान साप्ताहिक दर्जा सर्वेक्षण की तिथि से पहले पिछले 7 दिनों के दौरान व्यक्ति द्वारा की गई
गतिविधियों के आधार पर निर्धारित किया जाता है।

दृष्टि मेन्स प्रश्न:

प्रश्न. भारतमेंरोज़गारऔरबेरोज़गारीके रुझानों परचर्चाकीजिये, जैसाकि RBI के आँकड़ों से पताचलाहै। गुणवत्तापूर्णनौकरियाँपैदाकरने में चुनौतियों का विश्लेषण कीजिये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

मेन्स:

प्रश्न. भारत में सबसे ज़्यादा बेरोज़गारी प्रकृति में संरचनात्मक है। भारत में बेरोज़गारी की गणना के लिये अपनाई गई पद्धति का परीक्षण कीजिये और सुधार के सुझाव दीजिये। (2023)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/employment-rate-rises-significantly-in-fy24